पाठ 6. जादू है जी जादू है

पाठ की भूमिका

इस पाठ का उद्देश्य बच्चों में रचनात्मक विचार संबंधी कौशल विकसित करना है ताकि वे चीज़ों व घटनाओं को देखने और करने का अभिनव तरीका अपना सकें। जीवन में बहुत कुछ ऐसा है जो हमें दिखता है तो वह हमें हैरानी में डाल देता है। चाहे, ज्ञान-विज्ञान ने बहुत सारे सवालों के उत्तर ढूँढ़ लिए हैं लेकिन उन उत्तरों के साथ कौन उलझे? कवि को ही नहीं, हमें भी प्रकृति में होने वाली अनेक घटनाओं को देखकर लगता है कि यह बात भला सच में कैसे ऐसी हो सकती है। हो न हो, ज़रूर किसी जादूगर ने अपना कमाल दिखाया है।

पाठ का सार

मिट्टी में दबे बीज से अंकुर का फूटना, फिर उस अंकुर का पौधा बनना और फिर उस पौधे का फूलना-फलना किसी भी तरह जादू से कम नहीं लगता।

सुबह-सुबह अपने निश्चित समय पर सूरज का आना और चिड़ियों का चहचहाना किसे मुग्ध नहीं कर देते? तारे, बादल जिसको देखो, वही कुदरत का करिश्मा लगता है।

कवि को उस बड़े जादूगर की याद आती है जिसने इस संसार को इतनी सारी सुंदरता और सुख के सामान दिए लेकिन बदले में कभी किसी से कुछ नहीं चाहा।

अध्यापन संकेत

- **मूल पाठ के लिए संकेत**

  कविता का मौन व मुखर वाचन करवाएँ। प्रकृति में हमारे आसपास घटने वाली दैनिक घटनाओं जैसे–सूरज का उगना, चाँद-तारों का दिखाई देना आदि की चर्चा करें। रात-दिन के चक्र के बारे में बतलाएँ। हमारे जीवन में सूरज के महत्व के बारे में चर्चा करें।

- **अभ्यास प्रश्नों के लिए संकेत**
  - **मौखिक प्रश्नों, पहेलियों, पठित परिच्छेद** व **पाठ आधारित प्रश्नों** के अध्यापन संकेत हेतु **पृष्ठ संख्या 65** देखें।
  - **भाषा आधारित प्रश्नों** का उद्देश्य हिंदी भाषा के व्याकरण-पक्ष को सुदृढ़ करना है।
  - समानार्थी शब्दों की परिभाषा दें और कुछ उदाहरण देकर समझाएँ कि कुछ शब्दों के अर्थ आपस में मिलते-जुलते हैं।
  - क्रिया का रूप वाक्य में प्रयोग के आधार पर बदलता है। काम होने के समय के अनुसार भी क्रिया का रूप बदल जाता है, यह समझाएँ।
  - कुछ क्रियाएँ की जाती हैं जबकि कुछ क्रियाओं को करने के लिए किसी अन्य को प्रेरित किया जाता है, यह उदाहरण देकर समझाएँ जैसे–उगना-उगाना।
- **क्रियाकलाप के लिए संकेत**
  - विज्ञान से संबंधित इस क्रियाकलाप को करने में बच्चों को विज्ञान की पुस्तकों से सहायता लेने को कहें। बीज से पौधा निकलने की क्रिया संक्षेप में समझाई जा सकती है।